पैथोलॉजी
विभाग

UG LAB

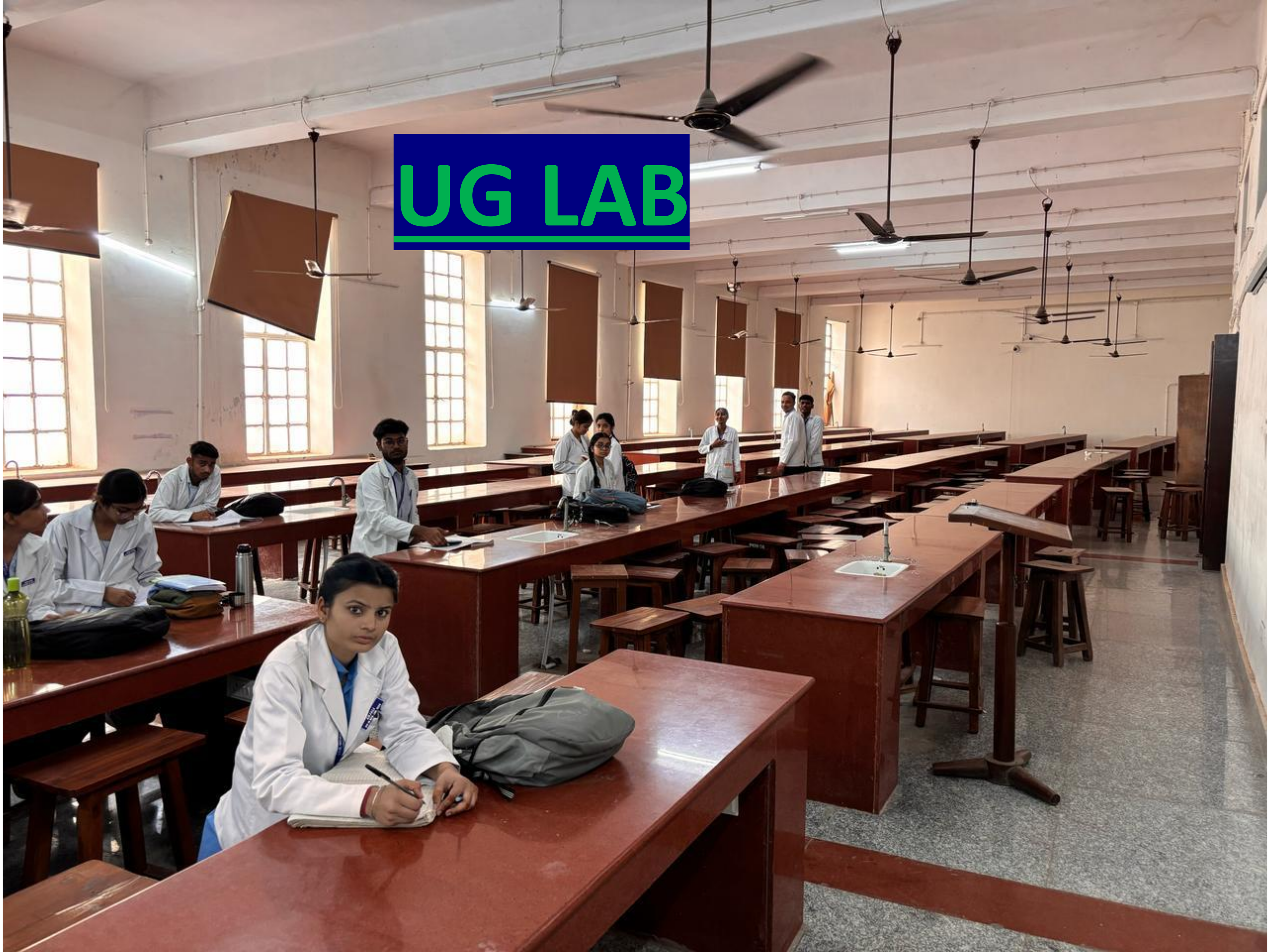

RESIDENTS ROOM

HISTOPATHOLOGY LAB

HEAMATOLOGY LAB

IMMUNOHISTOCHEMISTRY LAB

ROOM NO.27-SAMPLECOLLECTION CENTRE

24 घण्टे पैथोलॉजी लैब
जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर
24 घण्टे पैथोलॉजी जॉच केन्द्र,

ABG ANALYSIS

SELECTRA AUTOMATED BIOCHEMISTRY ANALYSER

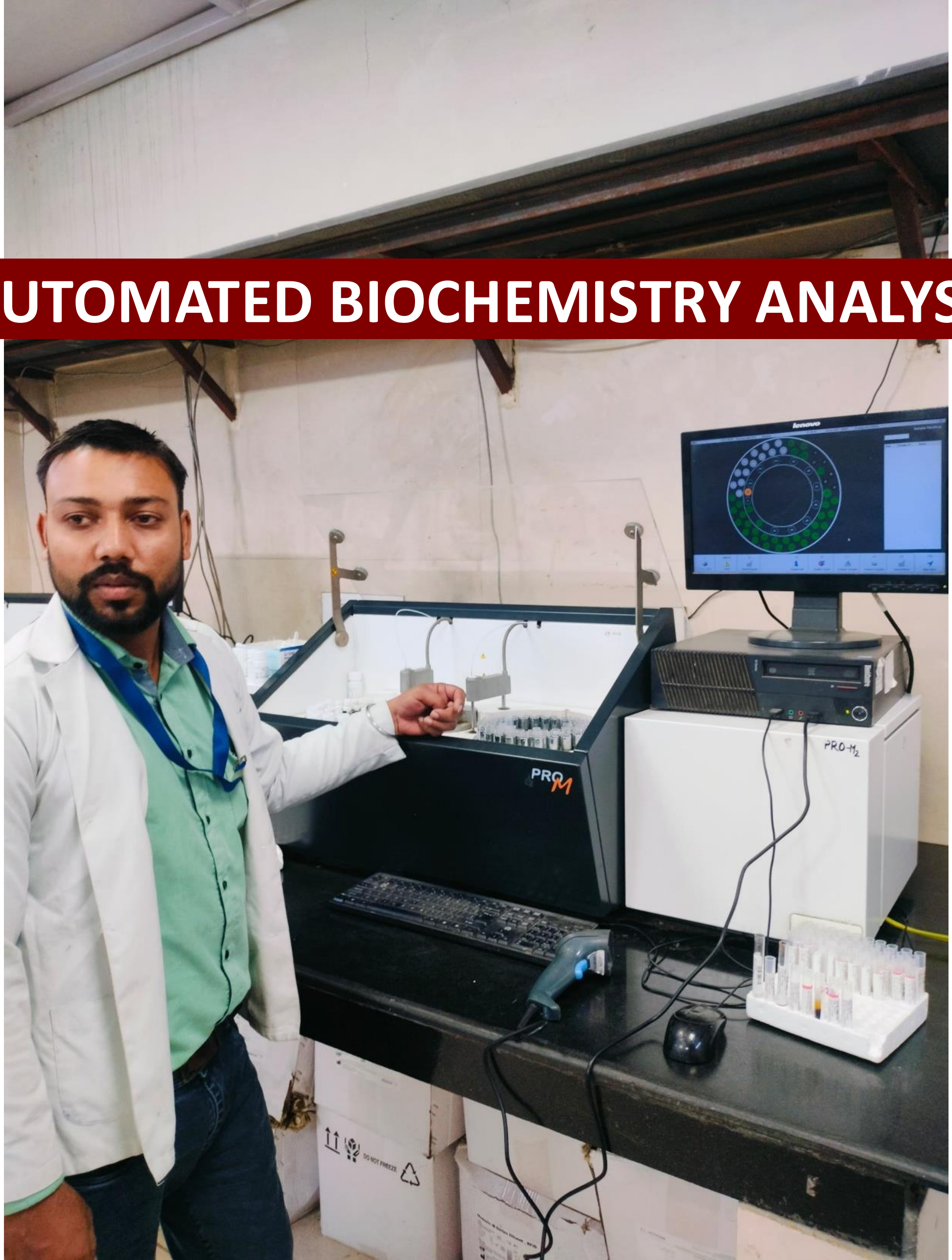

ARCHITECT HORMONAL ANALYSER(CHEMILUMINESCENT MICROPARTICLE IMMUNOASSAY)

HARMFULL EFFECT OF HEADPHONE

बात सेहत की — देर तक हेडफोन लगाने से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं कान की तंत्रिकाएं, मेडिकल कॉलेज में हुए सेमिनार में विशेषज्ञ बोले, कान में अजीब तरह की आती हैं आवाजें

हेडफोन से यारी... नींद पर भारी

माई सिटी रिपोर्टर

पैथोलॉजी विभाग में डॉ.काजी साकिब को बुके देते प्रो. महेंद्र सिंह। स्रोत: मेडिकल कॉलेज

कानपुर। घंटों शौकिया हेडफोन लगाए रहने की आदत बहुत नुकसानदेह है। इससे बहरापन हो जाता है और नींद उड़ जाती है। कान के अंदर की तंत्रिकाएं (हेयर सेल्स) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। कान में अजीब तरह की आवाजें आने लगती हैं जिनकी वजह से अवसाद हो जाता है। मंगलवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में हेडफोन के दुष्प्रभाव पर आयोजित सेमिनार में यह जानकारी दी गई।

सेमिनार में नाक, कान, गला रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. काजी साकिब ने बताया कि 85 डेसीबल से अधिक तेज साउंड सुनना बहुत नुकसानदेह साबित होता है। उन्होंने बताया कि हेडफोन के दीर्घकालिक इस्तेमाल से सुनने की ताकत में कमी, कानों में संक्रमण, मानसिक तनाव, नींद की समस्या तथा सामाजिक अलगाव के हालात भी पैदा हो जाते हैं। हियरिंग लॉस होने पर व्यक्ति के जीवन में दिक्कत आ जाती है। उन्होंने बताया कि हेडफोन पर जितनी जोर से आवाज सुनेंगे, कान में खराबी उतनी जल्दी आ जाती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र सिंह रहे। उन्होंने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल उतना ही करना चाहिए जितना जरूरी हो। इसका लती होने पर फायदे की जगह नुकसान होने लगता है।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र में युवाओं को सलाह दी कि डिजिटल माध्यमों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें। इस मौके प डॉ. नीलिमा वर्मा, डॉ. वंदना मिश्रा, डा चयनिका काला, डॉ. स्वप्निल के अलाव जूनियर और सीनियर रेजीडेंट डॉक्ट उपस्थित रहे।

इन बातों का रखें ध्यान

- फुल वॉल्यूम क्षमता का 60 फीसदी साउंड रखें
- हेडफोन का लगातार 60 मिनट तक ही इस्तेमाल करें
- जरूरी हो तो 60 मिनट लगाने के बाद 60 मिनट का गैप करें
- शोर-शराबे में हेडफोन का इस्तेमाल न करें
- ड्राइविंग और सड़क पार करते समय हेडफोन न लगाएं
- रात को ईयर बड्स लगाकर न सोएं
- दूसरे व्यक्ति के ईयर बड्स इस्तेमाल न करें, संक्रमण हो सकता है

ऐसे होता कान को नुकसान

हेडफोन की आवाज से कान की कॉक्लियर तंत्रिका क्षतिग्रस्त होती है। कान में ध्वनि पैदा होने लगती है। इसे टिनाइटिस कहते हैं। सोते वक्त जब कान में कोई आवाज नहीं आती, तब भी व्यक्ति को टिनाइटिस सुनाई पड़ती है। इससे अनिद्रा और अवसाद होता है।

यह भी हो सकता है

- कान में सुन्नपन
- कान में दर्द बना रहना
- हल्का-हल्का सिरदर्द, भारीपन रहना
- स्थायी रूप से बहरापन होना

ग्रामीणों में मुख कैंसर बांट रहा घटिया पान मसाला

अंकुश शुक्ल • जागरण

41 से 50 आयुवर्ग वाले 33 प्रतिशत मरीजों में तंबाकू सेवन कारण, महिलाएं भी आ रहीं चपेट में

जीएसवीएम मेडिकल कालेज • जागरण

कानपुर : जीएसवीएम मेडिकल कालेज के पैथोलाजी विभाग में मुख कैंसर से ग्रसित मरीजों के आ रहे सैंपल को लेकर शोध किया गया। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में बिकने वाले सस्ते केमिकल युक्त तंबाकू पान मसाले के सेवन से मुख कैंसर के मामलों में हुई वृद्धि के परिणाम चौंकाने वाले आए हैं। विभाग की ओर से एक वर्ष तक 600 लक्षणयुक्त मरीजों पर हुए शोध में शहर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में मुख कैंसर अधिक मिला। सभी मरीजों की केस हिस्ट्री में सस्ता पान-मसाला और तंबाकू का सेवन अधिक पाया गया। करीब 81.3 प्रतिशत पुरुष तथा 18.7 प्रतिशत महिलाओं में मुख कैंसर की पुष्टि हुई है। मुख कैंसर की चपेट में 41 से 50 आयुवर्ग के सबसे ज्यादा 33 प्रतिशत मामलों तंबाकू और पान-मसाला कैंसर का कारण मिला। विभाग की ओर से इंटरनेशनल जर्नल में मुख कैंसर पर हुए शोध को प्रकाशित करने के लिए डाटा भेजा गया है।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के पैथोलाजी विभागाध्यक्ष प्रो. महेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में डा. शिखा सचान ने शोध किया। डा. शिखा ने बताया कि कैंसर के मरीजों में पान-मसाला के साथ तंबाकू और एल्कोहल के साथ कई कारणों पर अध्ययन किया गया। इसमें सर्वाधिक 52.5 प्रतिशत मामलों में तंबाकू सेवन महिला और पुरुषों में कैंसर का कारण बना। शोध में कुल 51.2 प्रतिशत मामले मुख कैंसर के मिले, जो सभी आयुवर्ग से जुड़े हुए थे। यह आंकड़ा ग्रामीणों में और भी चौकाने वाला निकला। जहां पर एक से पांच वर्ष तक तंबाकू और पान-मसाला का सेवन करने वाले 52 प्रतिशत मामलों में मुख कैंसर की पुष्टि हुई।

केमिकल और भारी तत्व बन रहा कैंसर का कारण

विभागाध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह ने बताया कि कैंसर का मुख्य कारण मसाले में कत्थे के स्थान पर प्रयोग होने वाला केमिकल गैंबियर और स्वाद के लिए प्रयोग होने वाला लेड और क्रोमियम बनता है। जो मुंह की मांसपेशियों को गलाने के साथ ही लार नहीं बनने देता है। जिससे कैंसर सेल्स सक्रिय हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र फतेहपुर, घाटमपुर, बिल्हौर, बिठूर, कानपुर देहात सहित कई क्षेत्र से मामले सामने आ रहे हैं।

प्रो. डाक्टर महेंद्र सिंह • जागरण

ग्रामीण महिलाओं में भी शौक बन रहा जानलेवा

डा. शिखा सचान के मुताबिक, महिलाओं में कैंसर के मामले बढ़े हैं। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने दांत के दर्द और शौक में पान-मसाला और तंबाकू का सेवन शुरू किया, जो अब जानलेवा साबित हो रहा है। शोध में 11 से 20 आयुवर्ग में वर्ष में 0.8 प्रतिशत, 21 से 30 में छह प्रतिशत, 31 से 30 में 25.8 प्रतिशत, 51 से 60 में 19.7, 61 से 70 आयुवर्ग में 12.3 तथा 71 से 80 आयुवर्ग में 2.3 प्रतिशत मामलों में मुख कैंसर मिला है।

डाक्टर शिखा सचान • जागरण

INSTALLMENTS OF NEW INSTRUMENTS

HOT PLATE

HOT PLATE SERVE THE FUNCTION OF SAFE AND CONTROLLED HEATING SOURCE FOR HEATING SOLUTIONS SAMPLES AND FOR CHEMICAL REACTIONS.

FULLY AUTOMATED SLIDE STAINER

A FULLY AUTOMATED SLIDE STAINER AUTOMATES THE PROCESS OF STAINING TISSUE SECTIONS ON SLIDES, REDUCING MANUAL LABOUR AND CONSISTENT STAINING RESULTS FOR MICROCOPIC EXAMINATIONS IN PATHOLOGY.

AUTOMATED TISSUE PROCESSOR

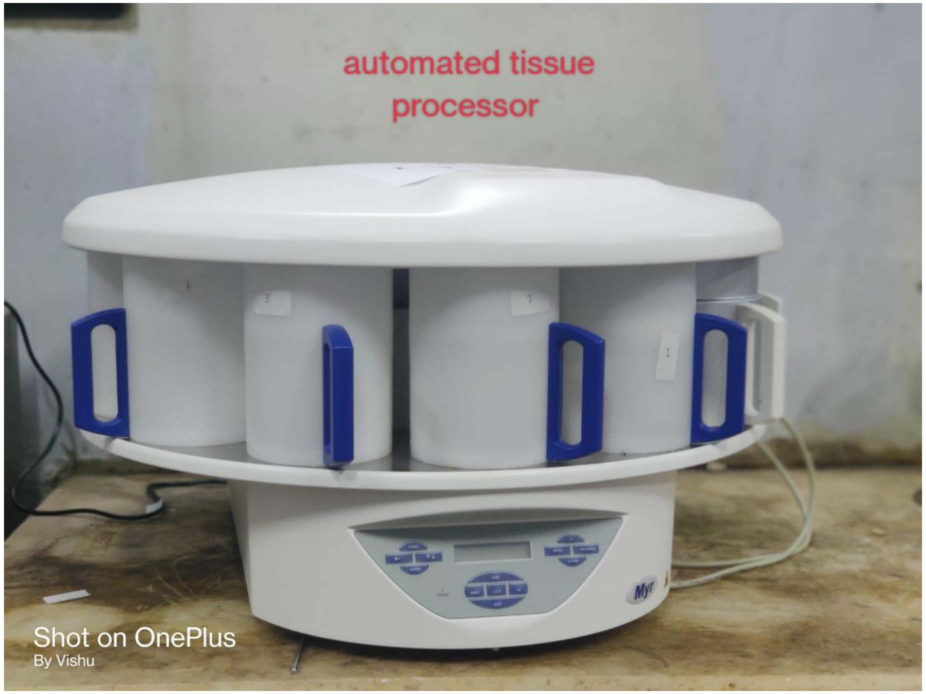

AN AUTOMATED TISSUE PROCESSOR AUTOMATES THE PROCESS OF PREPARING TISSUE SAMPLES FOR MICROSCOPIC ANALYSIS BY PERFORMING STEPS LIKE FIXATION , DEHYDRATION , IMPROVING EFFICIENCY AND ACCURACY.

TISSUE EMBEDDING STATION

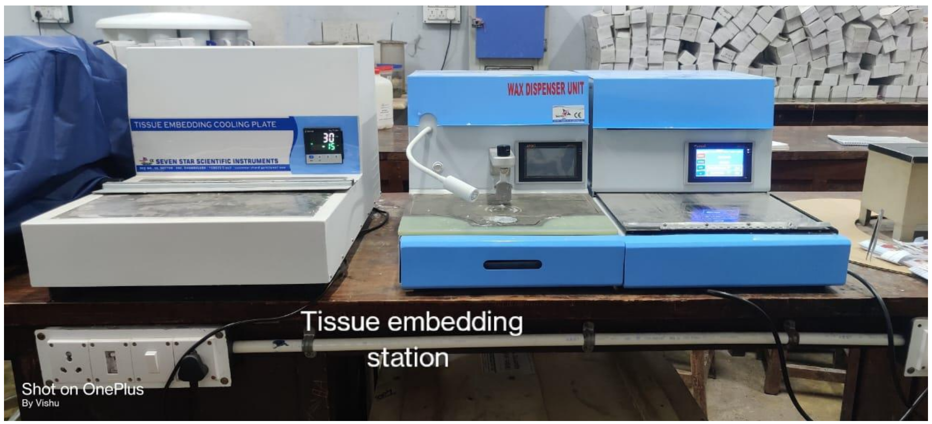

IT HELPS TO PREPARE TISSUE SAMPLES FOR MICROSCOPIC ANALYSIS BY EMBEDDING THEM IN A SOLID MEDIUM TO FACILITATE SECTIONING AND EXAMINATION.

ROTARY MICROTOME

ROTARY MICROTOME IS USED TO PREPARE THIN, UNIFORM SECTIONS OF BIOPSIES FOR MICROSCOPIC EXAMINATION. IT GIVES FAST AND EFFICIENT RESULTS.

LABORATORY CENTRIFUGE MACHINE

IT HELPS IN SEPARATING SUBSTANCES BY DENSITY OF BLOOD COMPONENTS , CELL ORGANELES ,PROTEINS AND NUCLEIC ACIDS.

LABORATORY REFRIGERATOR

IT IS USED TO STORE VARIOUS CHEMICAL AT ADEQUATE TEMPERATURE TO MEET REQUIREMENTS OF SCIENTIFIC RESEARCH AND HEALTHCARE WHICH HELPS IN PROTECTING SUBTANCES.

RECENTS PUBLICATION-
33 IN NUMBER(2024-25)

NEW DIAGNOSTIC HUB IN PROCESS

CYTOCON TO BE ORGANIZED IN AUGUST 2025

कार्यालयः आचार्य एवं विभागाध्यक्ष ::पैथोलाजी विभाग, जी0एस0वी0एम0,मेडिकल कालेज, कानपुर।

संख्या– 692 / पैथो0 / 2025

दिनांक– 19 ,जून, 2025

पैथोलाजी विभाग व 24 घण्टे पैथोलाजी लैब की डाटा (कुल जॉचों) की सूचना जनवरी – 2024 से 15 जून 2025 तक

Month	Histo Pathology (1)	Cyto Pathology (2)	Haematology			Biochemistry			Total (1+2+3+4)
			Patho	24 Hrs Lab	Total (3)	Patho	24 Hrs Lab	Total (4)	Grand Total
Jan-24	**1680**	**1486**	3170	112403	**115573**	224	127141	**127365**	**246104**
Feb-24	**3320**	**1826**	5154	133092	**138246**	463	155076	**155539**	**298931**
March-24	**1420**	**1941**	5302	173887	**179189**	621	142936	**143557**	**326107**
April-24	**1504**	**1654**	5913	170632	**176545**	253	128651	**128904**	**308607**
May-24	**940**	**1864**	7580	179304	**186884**	1165	141979	**143144**	**332832**
June-24	**2524**	**1706**	7135	144540	**151675**	892	181701	**182593**	**338498**
July-24	**1496**	**1287**	6775	190353	**197128**	966	157281	**158247**	**358158**
Aug-24	**1064**	**1401**	5664	163338	**169002**	1070	128530	**129600**	**301067**
Sept-24	**980**	**1652**	6994	165832	**172826**	1590	161027	**162617**	**338075**
Oct-24	**715**	**1734**	7358	179049	**186407**	1318	137654	**138972**	**327828**
Nov-24	**2975**	**1462**	5855	169623	**175478**	1088	144328	**145416**	**325331**
Dec-24	**2670**	**1563**	5726	163115	**168841**	1153	132085	**133238**	**306312**
Jan-25	**2108**	**1547**	4606	157789	**162395**	1049	137897	**138946**	**304996**
Feb-25	**1411**	**2012**	5201	158875	**164076**	1291	134404	**135695**	**303194**
March-25	**1206**	**1432**	4498	179726	**184224**	1011	155941	**156952**	**343814**
APRIL-25	**2040**	**1705**	3473	189342	**192815**	1017	154795	**155865**	**352425**
MAY-25	**2020**	**2054**	5515	196098	**201613**	996	167950	**168946**	**374633**
Till 15 JUNE-25	**940**	**700**	2298	73717	**76015**	233	95797	**96030**	**173685**

जनवरी – 2024 से 15 जून 2025 तक कुल जॉचों की संख्या– **5660597**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
पैथोलाजी विभाग

Prof. & Head
Deptt. of Pathology
GSVM Medical College, Kanpur